खबर संक्षेप

शहर में गर्मी के साथ बढ़ी बिजली की आंख मिचौली

शहडोल। गर्मी के शुरू होते ही संभाग मुख्यालय शहडोल नगर सहित जिले के ग्रामीण अंचलों में बिजली का संकट बढ़ने लगा है। दिन में कई बार बिजली गुल की जा रही है। जबकि शासन के आदेश हैं कि संभाग मुख्यालय को विद्युत अवरोध से दूर रखा जाए और यहां चौबीसो घंटे आपूर्ति की जानी चाहिए। इसके विपरीत विद्युत मण्डल मुख्यालय में भी कटौती करने से बाज नहीं आ रहा है। नगरपालिका की प्रकाश व्यवस्था भी लचर है, कुछ बस्तियों की स्ट्रीट लाइटें बंद रहती हैं। ग्रामीण अंचलों का हाल बे हाल है, यहां 8-8 घंटे बिजली नहीं रहती, रात में भी कटौती होती है। ग्रामीणों को न तो घरों में लाइट मिलती है न खेतों की सिंचाई के लिए विद्युत आपूर्ति हो पाती है। किसान अस्थाई कनेक्शन लेने और पैसा भरने के बावजूद ठगा सा रह जाता है।ग्रामीण क्षेत्रों में खासतौर पर गोहपारू, जयसिंहनगर और जैतपुर क्षेत्रों के ग्रामीण अंचलों में दर्जनों की संख्या में ट्रांसफार्मर जले या बिगड़े पड़े हैं बार बार आश्वासन के बावजूद विद्युत मण्डल ऐसे ट्रांसफार्मरों को बदल नहीं पा रहा है। ज्ञातव्य है कि इस बारे में पूर्व में सांसद हिमाद्री सिंह ने भी अधिकारियों की बैठक में इस बारे में चर्चा कर ट्रांसफार्मर बदलने के लिए अफसरों से कहा था लेकिन आज तक हालात वही ढाक के तीन पात ही हैं। ग्रामीणों के न तो घरों में बिजली की सुविधा है और न फसल की सिंचाई करने के लिए खेतों को बिजली मिल रही है। कुछ दूर दराज के गांव तो ऐसे हैं जहां आज तक सौभाग्य योजना की बिजली भी नहीं पहुंची है। कई टोले ऐसे हैं जहां वर्षों में केवल सर्वे हुआ है और अभी तक वहां खंभे भी नहीं गिराए गए हैं।

बुजुर्गों की सेवा ईश्वर की सेवा के समतुल्य : कमिश्नर

शहडोल। राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस पर रविवार कमिश्नर बी.एस. जामोद, एडीजीपी शहडोल जोन डी.सी. सागर, कलेक्टर तरूण भटनागर एवं अधिकारियों ने वृद्धा आश्रम कल्याणपुर में आयोजित बजुर्गों का सम्मान कार्यक्रम में बुजुर्गों का तिलक बंदन कर उन्हें शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। वहीं अधिकारियों द्वारा बुजुर्गों के साथ लगभग तीन घन्टे रहकर, बुजुर्गों से उनकी बाते और अनुभव साझा किए गए। वृद्धा आश्रम में आज बुजुर्गों के लिए विशेष भोजन बनाया गया था। विशेष भोजन को कमिश्नर, एडीजीपी एवं कलेक्टर ने बुजुर्गों को परोसा और उनके साथ में भोजन भी किया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग के कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमिश्नर बी.एस. जामोद ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा करना ईश्वर की सेवा करना है। हमारे मन में बुजुर्गों के प्रति श्रद्धा होनी चाहिए। किन्ही कारणों से बजुर्ग वृद्धा आश्रम में रहकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। ऐसे बुजुर्गों को हम सबको माता-पिता के समान ही सम्मान देना चाहिए और बुजुर्गों का संबल बढ़ाना चाहिए।

अर्बन डेपलपमेंट कंपनी मनमानी करने पर उतारू, प्रशासन मौन

जान पर बन बैठा सीवर लाइन बिछाने का काम

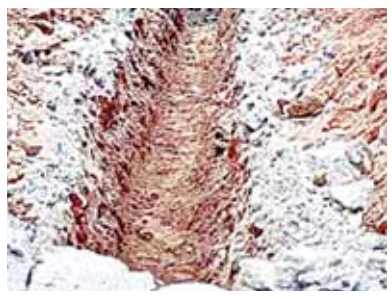

सीवर लाइन बिछाने के नाम पर संभाग मुख्यालय में जिस तरह की लापरवाही बरती जा रही है वह असहनीय और पीड़ादायक है। इस मामले में अर्बन डेवलमेंट कंपनी की नकेल कसने की बजाय उसे छूट देना हैरानी का विषय है। अधिकारियों की चुप्पी से शहर का हाल देखकर अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो रहा है कि यह सडकों का जाल है या फिर कीचड़ से सना दूरस्थ गांव का कोई खेत। जून 2023 तक काम पूरा होना था, लेकिन सीवर प्रोजेक्ट के नाम पर खुदाई और खनन का खेल चल रहा है और जनता परेशान भटकती रहती है।

शहडोल। लोगों को बजबजाती नालियां और गंदगी से मुक्त कराने के लिए शहर में सीवर लाइन बिछाने का काम चल रहा है। यह काम डेढ़ साल के अंदर पूरा किया जाना था । यह सीवर प्लांट 172 करोड़ 62 लाख की लागत से तैयार किया जा रहा है । यह पूरा काम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी करा रही है । सीवर लाइन के माध्यम से ट्रीटमेंट कर पानी मुरना में छोड़ा जाएगा । इस पानी का उपयोग लोग सिंचाई में कर सकेंगे । दिसंबर 2021 में इसका एग्रीमेंट हुआ था । दो माह डोर टू डोर सर्वे चला । जून 2023 तक इसका काम पूरा होना है । इस बीच जिस तरह से शहर में सड़कें खोदने का अभियान चल रहा है। उससे लोगों को दिक्कतें पैदा हो रही हैं। सड़क खोदने के बाद लाइन बिछाने के बाद इसे तुरंत नहीं सुधारा जा रहा है । सीवर लाइन बिछाने के चक्कर में सड़कों को तहस नहस किया जा रहा है ।

सड़कों की हालत बदतर

सीवर लाइन बिछाने के चक्कर में शहर की सड़कों को बुरी तरह से खोद दिया गया है। सड़क को खोदकर मिट्टी फैलाकर ठेकेदार अपना काम आगे बढ़ाता जा रहा है। । पक्की सड़कें खोदकर मिट्टी का ठीक से भराव नहीं किया जा रहा है। लोगों को भारी दिक्क्तों का सामना करना पड़ रहा है । इन गड्ढों में चार पहिया वाहन के चके फंस रहे हैं। अभी यह हाल है तो बारिश में जब वर्षा होगी और मिट्टी बैठेंगी तो तो उस समय गड्ढे गहरे हो जाएंगें और दुर्घटना की आशंका निर्मित होगी। वैसे भी अब तक दर्जनों बाइक चालक सड़कों पर गिर कर अंग भंग हो चुकें हैं।

मिट्टी धसक गई उभर आए गड्ढे

नगर के वार्डों में जहां जहां अभी सीवर लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई है वहां पर बरसात में कीचड़ होगा। बारिश के दौरान समस्या सामने आने लगी थी। आने वाले दिनों में भी जब बारिश होगी तो, हालत और खराब होगें। साइड सुपरवाइजर का अपना अलग ही तर्क है उनका कहना है कि अभी कंक्रीट का काम नहीं किया जा रहा है सड़कों के बीच बीच में चेंबर बनाए जा रहे हैं। चैंबर बनाए जाने के बाद ही इनका पक्के तौर पर सुधार होगा। कुछ स्थानों पर चेम्बर बनने के बाद से ही टूटने लगे थे जो कि घटिया निर्माण का प्रतीक है।

जल छिड़काव में कोताही

सीवर लाइन बिछाई जाने के बाद गड्ढों की फिलिंग के बाद जल छिड़काव का प्रावधान है लेकिन अधिकांश जगहों में देखा जा रहा है कि कहीं कही टेंकरों से पानी छिड़का गया तो कहीं टेंकर का पता नहीं चला। सड़कों की खुदाई हो जाने के कारण वहां से इतनी धूल उड़ती है कि लोगों का आना जाना व श्वांस लेना भी दूभर हो चुका है। सड़क के किनारे के घर तो चौबीसो घंटे धूल गर्दे में डूबे रहते हैं। बस्तियों की तंग सड़कों पर भारी भरकम मशीने व मिक्सर मशीने ले जाई जाती हैं जिससे दुर्घटना का भय बना रहता है। सीवर लाइन कार्य की सतत मॉनीटरिंग करने कोई फील्ड सुपरवाइजर मौके पर दिखाई नहीं पड़ता है। श्रमिक अपनी सुविधा के हिसाब से काम करते रहते हैं।

प्रशासन मुंह फेरे बैठा

अर्बन डेवलपमेंट कंपनी को अरबों का ठेका देने के बाद शासन प्रशासन ने मानों कंपनी को मनमानी करने की छूट दे रखी है। अफसर यह देखने की भी जरूरत नहीं समझते कि कंपनी शासन के साथ हुए अनुबंधों का पालन कर रही है या नहीं। सड़क खोदने के पश्चात उसे बनाकर देना था। लेकिन कंपनी थोड़ी बहुत मरहम पट्टी कर छुट्टी पा लेती है। प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के कारण कंपनी भी अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर रही है। नगर में दर्जनों पाइप लाइने तोड़ी गईं हैं। शिकायतें हुईं पर कंपनी का कोई अधिकारी सुनने वाला नहीं है। मनमाने ढंग से काम किए जाने के कारण सीवर लाइन का काम नागरिकों के लिए आफत बन चुका है।

जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहे एएसआई को एडीजीपी ने पहुंचाया अस्पताल

शहडोल। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मानवता की मिसाल पेश की है, दरअसल, देर रात जंगल में नेशनल हाइवे पर लहू लुहान गंभीर अवस्था में एक व्यक्ति पड़ा था, इस दौरान वहां से गुजर रहे शहडोल पुलिस जोन एडीजीपी डी.सी.सागर ने उस घायल व्यक्ति को अपनी गाड़ी से जिला चिकित्सालय लाकर उपचार के लिए भर्ती कराया, दरअसल सड़क के किनारे घायल अवस्था मे पड़ा वह व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि पुलिस विभाग का एक एएसआई था, जो किन्ही कारणों से गंभीर अवस्था मे जंगल में सड़क के किनारे पड़ा था।

देर रात एडीजीपी शहडोल जोन डी.सी.सागर अपने ऑफिस कमाण्डो के साथ ग्राम भ्रमण से शहडोल लौट रहे थे, इस दौरान उमरिया जिले के घुनघुटी जंगल के नेशनल हाईवे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा हुआ दिखा, जिसे देखकर तत्काल वाहन रोकने के निर्देश दिए, घायल की पहचान एडीजीपी के साथ चल रहे पुलिस जवानों द्वारा सहायक उपनिरीक्षक लालमणि सिंह शहडोल के रूप में की, एडीजीपी ने अपनी टीम के साथ घायल एएसआई को सावधानी पूर्वक उठाकर पुलिस वाहन से तत्काल जिला चिकित्सालय शहडोल पहुंचाया, साथ ही स्वयं भी अस्पताल पहुंचे और घायल की समुचित चिकित्सा प्रारंभ करवाई, घटना की सूचना पर पहुँचे घायल के परिजनों को भी हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया, खाकी के इस सराहनीय कार्य की हर तरफ सराहना हो रही है।

ग्राम केल्हौरी में रासबिहारी जू की लीला का हुआ समापन

चचाई। विगत दिवस ग्राम केल्हौरी के गौरी शंकर मंदिर प्रांगण में वृंदावन धाम से पधारे बांके बिहारी रासलीला मंडली के प्रमुख ओम प्रकाश शर्मा के कुशल निर्देशन में भव्य रासलीला का मंचन किया गया। विदित हो कि ग्राम केल्हौरी के कृष्ण भक्त शेषनारायण चौरसिया द्वारा भव्य रासलीला का आयोजन तथा प्रीतिभोज का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों ग्राम के श्रद्धालु जनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर कृष्ण लीला के दर्शन किए, इस रासलीला प्रारंभ हेतु मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र सिंह उपस्थित रहे, उनके द्वारा प्रथम आरती वंदन श्री गणेश जी का किया गया, इसके साथ ही कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह, तीरथ चौरसिया, राम सुमेर चौरसिया, सम्मन चौरसिया, शेषनारायण चौरसिया, रजनीश चौरसिया, दीपक यादव आदि लोग उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के संबोधन में शिक्षा विद वरिष्ठ समाजसेवी जितेन्द्र सिंह ने भक्तिमय ओजस्वी वक्तव्य देते हुए कहा कि प्रेम भक्ति का सर्वोत्तम स्वरूप है प्रेम भगवान का प्रसाद है, यह केवल भगवत कृपा से ही प्राप्त हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रेम से ही सदभावना, भाईचारा तथा शांति स्थापित होती है। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं ग्राम वासियों ने वृंदावन से पधारे ओम प्रकाश शर्मा के कुशल निर्देशन में आयोजित कृष्ण लीला मंचन की सराहना कर साक्षात भगवान प्रकट हो गए कि बात ग्राम केल्हौरी कार्यक्रम में पधारे भक्तों ने की, साथ ही ऐसे भक्ति मय कार्यक्रम आयोजित होते रहने की बात कही गई।

एचपी गैस के उपभोक्ता माह भर से परेशान

शहडोल। जिला मुख्यालय से सटे सिंहपुर क्षेत्र में विगत माह भर से एचपी गैस उपभोक्ता अच्छे खासे परेशान है इसके लिए उपभोक्ताओं को मनमाने दाम पर गैस खरीदने पर मजबूर हो रहे हैं जो गैस घर पहुंच कर 900 से 1000 मिल जाती थी, अब इस गैस को लेने के लिए 1500 तक चुकाने पड़ रहे हैं, दुर्गा एचपी गैस ग्रामीण वितरक एजेंसी सिंहपुर के द्वारा एचपी गैस का वितरण का संचालन किया जाता है, जो कि विगत माह बितने को जा रहे हैं इस एजेंसी से जुड़े 10 से 12000 कनेक्शन धारी है जो की काफी परेशान है।

ठगे जा रहे उपभोक्ता

मिली जानकारी के अनुसार शहडोल, बुढ़ार और खैरहा की अन्य गैस एजेंसी के वितरक एजेंसियों की गाड़ियां सिंहपुर क्षेत्र मे दिन-रात घुमा रहे है और तो और मजबूर और परेशान उपभोक्ताओं का फायदा उठाने के लिए चोरी छुपे इन क्षेत्रों में मनमाने दाम पर गैस सिलेंडर बेच रहे हैं, वही गांव के कुशवाहा नाम का एक युवक भी गैस की ब्लैकमेलिंग मनमाने ढंग से कर रहा है, अगर इस सेंटर की जांच की जाए तो कई गैस के सिलेंडर खाली और भरे इस स्थान पर मिल जाएंगे, इनकी मनमानी के चलते सिंहपुर क्षेत्र की जनता काफी परेशान है।

लोड और टीडीएस का फाल्ट

सिंहपुर क्षेत्र की दुर्गा एचपी गैस ग्रामीण वितरक एजेंसी सिंहपुर के संचालक अमरिश श्रीवास्तव से जब इस समस्या के विषय में बात की गई, तो उन्होंने पहले तो लोड नहीं आने की बात कही फिर बाद में उन्होंने टीडीएस की कटौती को लेकर टेक्निकल फॉल्ट बताया है, वही समस्या के निजात के लिए उन्होंने दो-चार दिन में उपभोक्ताओं को गैस शीघ्र उपलब्ध हो जाने की बात भी कही है।

शादी के सीजन में मारामारी

इन दिनों शादी व्याह का सीजन भी जोर पकड़ा हुआ है लोगों को ऐसे समय में ही अगर गैस सिलेंडर मिलने मे काफी परेशानी जा रही है। रोजमर्रा की जिंदगी में लोग कुछ औपचारिक व्यवस्था कर ली जाती हैं लेकिन इन सिजनो में तो इनके बगैर काम चलना दूभर सा हो जाता हैं। ऐसे समय ही लोगों की मजबूरियो का फायदा उठाया जा रहा है। जिसके चलते सिंहपुर जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में गैस सिलेंडर की मारामारी मची हुई है।

महिलाओं की व्यवस्था से नपा को कोई सरोकार नहीं

पुरूष पेशाब घरों में गंदगी का अंबार, गायब हैं महिला टॉयलेट

शहडोल। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन भी नगर पालिका परिषद को यह दिखाई नहीं दिया कि संभागीय एवं जिला मुख्यालय में महिलाओं के लिए पेशाब घरों की सुविधा उपलब्ध कराई जाये। महिला पेशाब घरों के आभाव में चौपाटी, सब्जी मण्डी, बुढ़ार चौक, गांधी चौक, जैन मंदिर, शेर चौराहा, सूरज मार्केट एर्व सर्वोदय मार्के ट आने वाली महिलाओं को परेशानी होती है। शहर दिनों दिन बढ़ रहा है, परन्तु सुविधा के नाम पर कुछ नहीं है। सब्जी मंडी तथा एमएलबी स्कूल के सामने स्थित पेशाब घरों सहित अन्य नपा के जिम्मेदारों को जहां लगता है कि हमने यहां पेशाब घर रखवाया या बनवाया है, उसकी हालत व व्याप्त गंदगी देख ले, उनकी कार्य कुशलता और सर्वेक्षण में आने वाले अंक वहीं नजर आने लगेंगे। नियमित साफ-सफाई के आभाव में इन पेशाब घरों में भरी गंदगी व दुर्गन्ध व्याप्त है। सवाल उठता है कि नगर पालिका द्वारा पूरे शहर में सैकड़ों बड़े-बड़े होर्डिग्स लगाकर स्वच्छ सर्वेक्षण का प्रचार-प्रसार करता है, वहीं दूसरी ओर सब्जी मण्डी स्थित शौचालय को ऑफ रिकार्ड किराये पर उठा दिया गया है, इसके अलावा सब्जी मण्डी के अंदर शौचालयों में दुकानों का निर्माण हो चुका है, लेकिन उसकी सुध लेने वाला कोई नही है।

कागजों में कंटेनर की संख्या

नगर पालिका के कागजों में पेशाब घर कंटेनरों की संख्या तो बहुत है, किन्तु जमीन पर बहुत कम दिखाई देते हैं, इसी तरह चलने-फिरने वाले मोबाइल कंटेनर के कहीं कोई दर्शन नहीं होते, राजस्व विभाग के जिम्मेदारो ने वर्ष 2021 में आधा सैकड़ा पेशाब घर कंटेनरनों का प्रस्ताव संभवतः वरिष्ठ कार्यालय भेजा था, लेकिन प्रस्ताव कहां कागजो में गुम हो गया, यह तो तत्कालीन नगर पालिका अधिकारी सहित वर्तमान प्रभारी ही बात सकते हैं, नगर पालिका के जिम्मेदार यह तो मानते हैं कि व्यवस्था नहीं है, लेकिन इसका समाधान किसी के पास नजर नहीं आ रहा है।

बीमारी से भी ग्रस्ति होती है महिलाएं

शहर में किसी काम के लिए आने वाली महिलाएं जिन्हें शौचालय की सुविधा नहीं मिलती वे उसके अभाव और साफ-सफाई की खराब व्यवस्था के कारण यूटीआई से पीड़ति होती हैं। शहर और मुख्यालय के बाहर से आईं महिलाएं गन्दे सार्वजनिक शौचालयों के कारण इस समस्या से ग्रस्त हो रही हैं, मजे की बात तो यह है कि सत्ताधारी दल की पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कटारे भी इस मामले में अपने कार्यकाल में कुछ नहीं कर पाई, वर्तमान में क्षेत्रीय विधायक महिला है, लेकिन लगभग एक वर्ष बीतने को हैं, केन्द्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं के अलावा इनके पास अपनी उपलब्धि गिनाने के लिए कुछ भी नहीं है।

अधिकारियों ने छात्राओं को सिखाए कलेक्टर, कमिश्नर और एसपी बनने के गुर

कमिश्नर, एडीजीपी एवं कलेक्टर ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर बी.एस. जामोद, एडीजीपी शहडोल जोन डी.सी. सागर एवं कलेक्टर तरुण भटनागर ने रविवार को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस के अवसर पर नगर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर बी.एस. जामोद ने उपस्थित बालिकाओं से चर्चा की एवं छात्राओं को भविष्य में आगे बढ़ने हेतु मार्गदर्शन भी दिया। चर्चा के दौरान सातवीं कक्षा की बालिका आराधना चौधरी ने कमिश्नर श्री जामोद से कमिश्नर कैसे बनते हैं प्रश्न किया। जिस पर कमिश्नर ने आराधना चौधरी के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि हमें हर विषय को बहुत अच्छे से पढ़ना चाहिए, हमें हर विषय के बारे में अच्छी तरह से जानकारी होनी चाहिए एवं टीचर से बार-बार विषय संबंधित प्रश्न करें। उन्होंने कहा कि हमें हर विषय के बारे में गहराई से नॉलेज होनी चाहिए। कमिश्नर ने कहा कि कमिश्नर बनने के लिए यूपीएससी की परीक्षा देनी होती है, जिसके लिए गहन अध्ययन आवश्यक है। लिखित परीक्षा के बाद साक्षात्कार भी होता है। चर्चा के दौरान कक्षा 8वीं की छात्रा अश्वनी देवी ने एडीजीपी डी.सी. सागर से प्रश्न किया कि पुलिस कैसे बनते हैं जिस पर एडीजीपी श्री सागर ने छात्रा अश्वनी देवी के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि पुलिस बनने के लिए सबसे पहले हम जिस कक्षा में हैं हमें उसी कक्षा में अच्छे नंबर से उत्तीर्ण होना है। हमें सभी विषयों को अच्छी तरह से पढ़ना चाहिए। उन्होनें कहा कि पुलिस बनने के लिए पढ़ाई के साथ-साथ हमें शारीरिक रूप से भी मजबूत होना चाहिए। जिसके लिए हमें व्यायाम करना खेलना एवं दौड़ लगाना एवं पौष्टिक भोजन भी जरूरी है। इसी प्रकार चर्चा के दौरान कक्षा 7वीं की छात्रा श्रेया सिंह नें कलेक्टर तरूण भटनागर से प्रश्न किया कि कलेक्टर कैसे बनते हैं जिस पर कलेक्टर तरूण भटनागर ने छात्रा श्रेया सिंह के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि। सबसे पहले हमें अपनी कक्षा की सभी विषयों को अच्छे से पढ़ना चाहिए एवं याद भी करना चाहिए। उन्होनें कहा कि हमें पढ़ने के साथ-साथ लिखने पर भी ध्यान देना चाहिए। हमें पढ़ते वक्त लिख-लिख कर के याद करना चाहिए जिससे हमें अच्छी तरह से याद हो सके। साथ ही उन्होनें कहा कि हमें सामान्य ज्ञान का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए, जिसके लिए आप अपनी पुस्तकें पढ़े एवं साथ ही अखबार भी पढ़े जिससे आपकी सामान्य ज्ञान मजबूत हो सके, इसके बाद स्नातक की पढ़ाई करने के बाद हम यूपीएससी की परीक्षा पास कर के कलेक्टर बन सकते हैं।इस दौरान संयुक्त आयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, अपर संचालक शिक्षा सहदेव सिंह मेरावी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. लाल, डॉ. मुकुन्द चतुर्वेदी सहित छात्रावास की छात्राएं उपस्थित रहीं।

विविध वर्गों की शतरंज स्पर्धा का आयोजन 1 से 5 मई तक

शहडोल। संभाग में शतरंज के खेल को बढ़ावा देने के लिए जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में1 मई से स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है जो कि, 5 मई तक चलेगी। महाराजा पैलेस घरौला में आयोजित यह स्पर्धा अंडर 7, 9, 11,13,15, 19 एवं सीनियर पुरुष तथा महिला वर्ग में स्विस लीग पद्धति से खेली जाएगी। संघ के अध्यक्ष रामसरोज मिश्रा ने अपनी जारी विज्ञप्ति में बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रवेश शुल्क अंडर 7, 9, 11 हेतु 150 रुपए, अंडर 13, 15, 19 हेतु 200 रुपए एवं सीनियर वर्ग हेतु 300 रुपए रखी गई है। जिसकी अंतिम तिथि 26 अप्रैल है। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के पार्टिसिपेशन के आधार पर प्रथम तीन स्कूलों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होने सभी स्कूल के प्रिंसिपल्स एवं स्पोर्ट्स टीचर से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में अपने खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में भेज कर टूर्नामेंट में सहयोग प्रदान करें। संघ के कोषाध्यक्ष अमरजीत बग्गा ने बताया कि जिले व संभाग में शतरंज के खेल को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है और बेहतर प्रदर्शन करने वाले होनहार खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जा रहा है। इसके लिये संघ द्वारा जनसहयोग से फण्ड एकत्र कर कार्यक्रम का आयोजन करता है। शतरंज पूर्णतया एक भारतीय खेल है, उसे जीवित रखने के लिए निरंतर प्रयास होने चाहिए। जिले में शतरंज के एक से बढ़कर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं पर उन्हे मंच ही नहीं मिल पा रहा है। हमारा प्रयास यही है कि उन्हे मंच उपलब्ध कराया जाए।बताया गया कि शतरंज के खेल को शासन स्तर से कोई प्रोत्साहन नहीं मिल पा रहा है। न तो इस खेल के लिए कोई इंडोर क्लब उपलब्ध कराया गया है न फण्ड की व्यवस्था की गई है। जबकि इस खेल में न तो अधिक खेल सामग्रियों का उपयोग होता है न बड़े मैदानों की आवश्यकता होती है। संसाधनों व रखरखाव के लिए भी शासन को अधिक व्यय करने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके बावजूद इस खेल की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शासकीय प्रोत्साहन बिना यह खेल जिले में अधिक गतिशील नहीं हो पा रहा है।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

कटनी। एनकेजे थाना क्षेत्र के सुरकी टैंक के पास शुक्रवार दोपहर बाइक सवार एक युवक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल हुए युवक की 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज दौरान युवक की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि मूल रुप से सतना निवासी सचिन पिता विष्णुकांत मिश्रा 25 कटनी में किसी फाइनेंस कंपनी में प्राइवेट जॉब करता था। शुक्रवार दोपहर वह अपनी बाइक में सवार होकर बरही से कटनी की और आ रहा था। इसी दौरान सुरकी डेम के पास उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसके कारण युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हनुमान जंयती पर कल निकलेगी वाहन रैली

कटनी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हनुमान जयंती के पावन अवसर पर दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर मेन रोड़ के तत्वाधान में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्रथम चरण में दिनांक 22 अप्रेल सोमवार सांयकाल 5.00 बजे मंदिर प्रांगण में विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया है जो कि नगर के प्रमुख मार्गो से भ्रमण कर वापस मंदिर प्रांगण में सम्पन्न होगी। 23 अप्रेल दिन मंगलवार को हनुमान जंयती के उपलक्ष्य मे भव्य शोभा यात्रा का आयोजन मेन रोड़,सुभाष चौक, कपड़ा बाजार, रघुनाथगंज लक्ष्मीनारायण मंदिर से खेरमाई मढ़िया, घंटाघर, होते होते हुये हनुमानगंज,हीरागंज, गोल बाजार होते हुये दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में समापन होगा। दिनांक 23 अप्रेल को दोपहर 1.00 बजे से विशाल भण्डार का आयोजन किया गया है। रात्रि 8.00 बजे पंच महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया जायेगा। रात्रि में भजन संध्या 8.30 बजे से आयोजन लकी उदय सोनी एवं पूजा तिवारी जबलपुर के द्वारा भजनों की सुन्दर प्रस्तुति दी जावेगी। मंदिर के पुजारी आनंद महाराज ने दो दिवसीय आयोजनों में भक्तों से समय पर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनायें(

होटल कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत

कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र के बस स्टैंड में एक होटल में काम करने वाला युवक पिछले तीन-चार दिनों से लगातार शराब के नशे में था। रात को उसकी तबीयत बिगड़ी थी और होटल के कर्मचारी उसको जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया है। जानकारी के अनुसार नीरज पिता राम गोपाल विश्वकर्मा निवासी सुडौर जिला पन्ना कोतवाली थाना क्षेत्र के बस स्टैंड में एक होटल में काम करता था। होटल के कर्मचारियों ने बताया कि पिछले तीन-चार दिनों से वह लगातार शराब का सेवन कर रहा था। गुरुवार की रात को नशे में ही अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह उल्टी करने लगा तो रात को कर्मचारी उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां पर उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया और शुक्रवार को शव का पीएम कराते हुए उसे स्वजनों को सौंप दिया। साथ ही मामले की जांच कर रही है।

हनुमान जयंती में नवीन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा

सिलौंडी। सिलौंडी में मुख्य बाजार के बरगद के नीचे श्री कुटी वाले हनुमानजी के पुराने मंदिर जीर्णोद्धार कर उसी स्थल पर एक नवीन मंदिर बनाया गया एवँ हनुमानजी जयंती के शुभ अवसर पर नवीन मंदिर में हनुमानजी की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी । 23 अप्रैल 2023 को सुबह 8 बजे से पूजन और प्रतिष्ठा ,दोपहर 12 बजे से भंडारा एवँ रात में 8 बजे से सुंदर कांड एवं महाआरती होगी । कार्यक्रम में सभी भक्तों के शामिल होने की अपील की गयीं ।

जरूरी संसाधनों के बिना कर रहे इलाज, रोगियों की जान से खिलवाड़

निजी अस्पतालों का भर्रा रोकने सख्त मॉनीटरिंग जरूरी

शहडोल। चिकित्सा के सरकारी मानदण्डो को पूरा करते हुए अगर निजी अस्पताल संचालित हो रहे हैं तो उसमें कोई आपत्ति नहीं। लेकिन पात्रता बिना केवल जिला अस्पताल से उधार लेकर आधी अधूरी उपचार व्यवस्थाओं के बूते रोगियों से रकम वसूली जाए और अंत मे उन्हे बाहर का रास्ता दिखा दिया जाए तो यह निस्संदेह अन्यायपूर्ण है। इलाज देने के नाम पर उल्टा रोगी के जीवन से खिलवाड़ करना एक अमानवीय कृत्य है। इसका विरोध जरूरी है। इनकी कारस्तानियों पर नजर रखने एक जिला स्तरीय समिति का होना अनिवार्य प्रतीत हो रहा है। संभाग मुख्यालय में ही जगह जगह निजी अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं, लेकिन इनकी वैधानिकता की जांच नहीं हो रही है।

बंद थे 30 दिन अस्पताल

पूर्व में हुई एक बार की जांच में ही 30 दिन तक अस्पतालों की ओपीडी बंद रखनी पड़ी थी। फायर सिस्टम की अनुपलब्धता पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कलेक्टर ने कड़े निर्देश दे दिए थे। धीरे धीरे फिर वही हाल हो चुका है। दुबारा प्रशासन को भी फुर्सत नहीं कि वह अपने आदेश का फालोअप चेक करे। इनकी गड़बड़ी में सुधार तभी हो सकता है जब जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया जाए जो निरंतर इनकी स्थितियों पर नजर रखे और प्रशासन को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

कौन सी सुविधाएं होनी चाहिए

निजी अस्पतालों के संचालन के लिए यह जरूरी है कि वहां चिकित्सकों व विशेषज्ञ चिकित्सकों, दवाओं की व्यवस्था, पैरामेडिकल स्टाफ, ऑक्सीजन, वेंटीलेटर, खून व एम्बुलेंस सेवा, अग्निशमन सिस्टम, जल प्रबंधन, कचरा निस्तारण आदि की पर्याप्त व्यवस्था हो। यहां ऐसी कोई अस्पताल नहीं जहां यह सब एक साथ उपलब्ध हो। अधिकांश में तो डाक्टर ही नहीं हैं। कई अस्पताल वाले तो खुले में ही बायोमेडिकल वेस्ट फेंक रहे हैं। इन पर नकेल नहीं कसी जा रही है। जिला प्रशासन प्रायः किसी हादसे के समय नींद से जागता है।

मॉनीटरिंग बिना चल रहा खेल

अस्पतालों का मामला वास्तव में आदमी के जीवन और मौत से सीधा सरोकार रखने वाला मामला है। इसलिए प्रायवेट अस्पतालों की वैधानिकता पर नजर रखना अनिवार्य है। इनके संचालन हेतु पंजीकृत सभी चिकित्सालयों द्वारा दौरान पंजीयन प्रस्तुत उपलब्ध चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ की सूची सहित अस्पताल में भौतिक रूप से मौजूद अमले का सत्यापन माह में एक बार अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। इस हेतु जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया जाय व समिति से प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्राइवेट अस्पतालों की मान्यता व पंजीयन अनवरत रखने अथवा नियमो के विरुद्ध संचालित अस्पतालों के पंजीयन निरस्त करने का तात्कालिक निर्णय लिया जाय। जिससे किसी भी मरीज के जीवन के साथ चिकित्सा के नाम पर खिलवाड़ नहीं किया जा सके। मरीजो को इलाज के नाम पर ठगने वाले व आवश्यक संसाधन एव विसेशज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता पूरी करने में नाकाम रहने वाले प्राइवेट अस्पताल के संचालकों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।

अनर्गल आलाप कर रहे

निजी अस्पतालों में प्रायः देखा जाता है कि विविध रोगों के इलाज को लेकर बड़े बड़े आश्वसन दिए जाते हैं, बड़ी होर्डिंग लगाई जाती है, बड़ी सुविधाओं का प्रचार किया जाता है यह सब केवल रोगियों को आकर्षित करने के लिए होता है। सच यह है कि यहां सामान्य डाक्टरों का ही टोटा है। रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टर तो हैं ही नहीं। ऐसे निजी अस्पतालों में जिला अस्पताल का एक ही विशेसज्ञ चिकित्सक अनेक प्राइवेट अस्पतालों में सेवा दे रहा है। एक समय मे एक साथ इतने मरीजों व अस्पतालों की देख रेख उसके लिए भी कैसे संभव है?

निगरानी करना आवश्यक

निजी अस्पतालों की मॉनीटरिंग करने के लिए जब जिला प्रशासन समिति का गठन कर देगा तो उसे हर माह नियमित रूप से रिपोर्ट प्राप्त होने लगेगी। सभी असपतालों की स्थितियां उसके सामने होगी। वह सरलता से कार्रवाई कर सकता है। निजी अस्पताल संचालक अपने मन की इसलिए करते रहतें हैं क्योंकि उनकी गड़बड़ी देखने और उजागर करने वाला कोई नहीं होता। मरीजों से लम्बी रकम ऐंठ कर उसे उल्लू बनाते रहते हैं और अंत में उसकी हालत काबू के बाहर हो जाती है। रोगी को तत्काल बाहर ले जाने की सलाह दी जाती है। प्रशासनिक स्तर से ऐसी गतिविधियों पर नजर रखते हुए उन पर अंकुश लगाना जरूरी है।

मरम्मत भी नहीं होती, पन्नी बांधकर गुजारा कर रहे हैं

खण्डहरनुमा आवासों में रहने को विवश सैकड़ों कर्मचारी

शहडोल। संभाग मुख्यालय के अंदर सैकड़ों भवन और आवास इतने जर्जर हो चुके हैं कि अब रहने योग्य भी नहीं हैं और कभी भी धराशायी हो सकते हैं। खण्डहर जैसे हो चुके यह सभी भवन 60 वर्षों पूर्व लोक निर्माण विभाग द्वारा बनवाए गए थे। दूसरों के लिए भवन का निर्माण कराने वाला लोक निर्माण विभाग अब स्वयं ही अपने आवासों के लिए सिसक रहा है। पाण्डवनगर, दुर्गा मंदिर के समीप स्थित , और पुराने लोक निर्माण विभाग के करीब बने कर्मचारी आवास तथा स्टेडियम के सामने बने ट्रायबल के आवास अब कभी भी गिर सकते हैं, टेक्निकल स्कूल का हॉस्टल भी इसी तरह का है। नगर में कर्मचारी आवासों की संख्या सैकड़ों में है। कई वर्षों पूर्व इनके बारे में एक जानकारी विधानसभा को भी भेजी गई थी। लेकिन इसके बाद फिर कुछ नहीं हुआ। बताते हैं कि अब कर्मचारियों के लिए नए आवास बनाए जाने आवश्यक हैं लेकिन शासन कर्मचारी आवासों के लिए ध्यान नहीं दे रहा है। वह अब केवल पीआईयू के माध्यम से संस्थाओं व कार्यालयों के बड़े भवन बनवा रहा है। वह भी बजट संबंधित विभाग ही देते हैं। लोक निर्माण विभाग केवल थोड़ा बहुत सालाना मरम्मत के नाम पर कार्य करता है। लगभग 60 वर्ष पूर्व शहडोल का जब जिले के रूप में ढांचा खड़ा हुआ तब उस समय यहां शासकीय विभागों के कार्यालय बनवाए गए और सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी आवास बनवाए गए थे। तब से यह आवास चले आ रहे हैं। पूर्व में तो इनकी एनुअल रिपेयरिंग होती रही और आवासों का जीवन चलता रहा। लेकिन इधर कई वर्षों से मरम्मत का कार्य भी एकदम बंद कर दिया गया। जिससे यह आवास दिनोंदिन जर्जर होते चले गए और अब हालत यह है कि यह रहने योग्य भी नहीं रह गए हैं। कार्यालय के अपने पाण्डवनगर स्थित कर्मचारी आवास भी इन्ही श्रेणी में आते हैं। पाण्डवनगर में स्थित अन्य विभागों के वर्षों पुराने आवास भी इसी तरह के हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शासन ने आवासो और नए भवनों के निर्माण के लिए अथवा मरम्मत के लिए बजट देना बंद कर दिया है। अब केवल एक सामान्य बजट रहता है जो कि बहुत आवश्यक जर्जर आवासों की मरम्मत में व्यय कर दिया जाता है। स्थिति यह है कि अब जिस विभाग के लिए भवन बनाए जाते हैं बजट भी स्वयं वही विभाग प्रदान करता है। बजट जब उस विभाग द्वारा जारी किया जाता है तब निर्माण कार्य पीआईयू द्वारा करवाया जाता है। अब केवल संस्थाओं और कार्यालयों के नए भवन ही बनाए जा रहे

हैं। नियमित रिपेयरिंग का सिस्टम लगभग समाप्त हो चुका है। हालत यह है कि काफी संख्या में कर्मचारी निजी आवास किराए पर लेकर रह रहे हैं। कुछ लोगों ने भयवश आवास खाली कर निजी आवासों में रहने चले गए तो कुछ लोगों को आवास मिले ही नहीं। इसलिए वे भारी भरकम किराया देकर रह रहे हैं। जबकि नियमतः शासकीय कर्मचारियों के लिए आवास सुविधा होनी चाहिए। आवास का किराया भी शासन बहुत खास श्रेणी के कर्मचारियों को दे रही है। जो किराया वह दे रही है वह भी एक निर्धारित दायरे के भीतर ही है। बताया जाता है कि शासन अब कर्मचारी आवासों की सुविधा के लिए चर्चा भी करना पसंद नहीं कर रही है। कर्मचारी आवासों का निर्माण अब शायद ही हो सकेगा। होना यही है कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा कालोनियां बनवाई जाएंगी और उन्हे ही कर्मचारी खरीद कर अपना गुजारा करेंगे। विभागीय स्तर से हाउसिंग बोर्ड ने केवल पुलिस विभाग के लिए आवास बनाए हैं उसमें भी बजट पुलिस विभाग ने ही दिया है और अपने कर्मचारियों के लिए आवास की सुविधा दी है।

बंदियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

उमरिया। जेल अधीक्षक डी के सारस ने बताया कि बंदियो के स्वास्थ्य की जांच के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर परीक्षण, उपचार शिविर का आयोजन मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के निर्देश में आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन के. सी. सोनी, रेडक्रास सोसायटी द्वारा संयुक्त समन्वय स्थापित कर 8 चिकित्सको द्वारा 82 बंदियो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरांत उच्च संस्थान, मेडिकल कालेज, अस्पताल के लिए 43 बंदियो को रेफर किया गया। इस अवसर पर प्रथम जिला अपर सत्र न्यायाधीश सुधीर कुमार चौधरी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायाधीश जितेंद्र कुमार विजौलिया द्वारा जेल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कर बंदियो को विस्तार से जानकारी दी गई। बंदियो के विधिक सहायता के लिए

नियुक्त शासकीय अधिवक्ता, लीगल एड काउंसिल उपस्थित रहकर बंदियो को विधिक साक्षरता की जानकारी देकर उनके प्रकरणो की जानकारी के संबंध मे पूछताछ की गई।

पूर्व डीपीसी आय से अधिक सम्पत्ति मामले में उलझे

शहडोल। जिला शिक्षा केन्द्र शहडोल के पूर्व डीपीसी मदन त्रिपाठी का विवाद साथ छोड़ते नजर नहीं आ रहे हैं, बीते वर्ष शासकीय भूमि को अपने व परिजनों के नाम पर कराने को लेकर न्यायालीन प्रक्रिया झेल रहे मदन त्रिपाठी को शहडोल पदस्थापना के दौरान आय से अधिक सम्पतित अर्जित करने के मामले में माननीय न्यायालय के समक्ष लगाये गये परिवाद को न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। इस मामले में अधिवक्ता थानेश्वर गोले भदौरिया के माध्यम से न्यायालय में परिवाद

प्रस्तुत किया था, जिस पर मा न नी य न्यायालय द्वारा परिवादीगणों के अधिवक्ता के तर्कों को सुनने के उपरांत परिवाद को प्रचलनयोग्य पाया एवं प्रकरण दिनांक 12 जून 2024 को अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करने एवं परिवादीगणों के कथनों हेतु प्रकरण नियत किया गया।

न्याय न मिलने पर पहुंचे थे न्यायालय

अधिवक्ता थानेश्वर गोले भदौरिया ने बताया कि शहडोल पदस्थापना के दौरान डॉ. मदन त्रिपाठी, डी.पी.सी. जिला शिक्षा समन्वय केन्द्र ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की थी, उनके द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं में वरिष्ठ अधिकारियों ने सांठगांठ कर भ्रष्टाचार किया गया था, इस मामले में पूर्व में पुलिस अधीक्षक ई.ओ.डब्ल्यू. एवं पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त को पूर्व में डॉ. मदन त्रिपाठी के द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार से संबंधित कृत्यों की शिकायत दी गई थी परंतु उनके द्वारा शिकायत पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई जिस कारण परिवादीगणों के द्वारा अपने अधिवक्ता थानेश्वर गोले भदौरिया के माध्यम से न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया। जिसके बाद शहडोल के न्यायालय में परिवादी एडवोकेट धीरज कुकरेजा एवं एडवोकेट स्वप्निल सराफ के द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 के अंतर्गत धारा 13 (1) (बी) एवं धारा 13 (2) के अंतर्गत आरोपी डॉ. मदन त्रिपाठी, डी.पी.सी. जिला शिक्षा समन्वय केन्द्र के विरूद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने एवं रखने के विरूद्ध परिवाद प्रस्तुत किया गया जिसका परिवाद प्रकरण क्रमांक यू.एन.सी.आर. 04/2024 है।

ग्राम केल्हौरी में रासबिहारी जू की लीला संपन्न

चचाई। विगत दिवस ग्राम केल्हौरी के गौरी शंकर मंदिर प्रांगण में वृंदावन धाम से पधारे बांके बिहारी रासलीला मंडली के प्रमुख ओम प्रकाश शर्मा के कुशल निर्देशन में भव्य रासलीला का मंचन किया गया।

विदित हो कि ग्राम केल्हौरी के कृष्ण भक्त शेषनारायण चौरसिया द्वारा भव्य रासलीला का आयोजन तथा प्रीतिभोज का आयोजन किया गया जिसमें हजारों ग्राम के श्रद्धालु जनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर कृष्ण लीला के दर्शन किए। इस रासलीला प्रारंभ हेतु मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र सिंह उपस्थित रहे उनके द्वारा प्रथम आरती वंदन श्री गणेश जी का किया गया। इसके साथ ही

कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह, तीरथ चौरसिया, राम सुमेर चौरसिया, सम्मन चौरसिया, शेषनारायण चौरसिया, रजनीश चौरसिया, दीपक यादव आदि लोग उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संबोधन में शिक्षा विद वरिष्ठ समाजसेवी जितेन्द्र सिंह ने भक्तिमय ओजस्वी वक्तव्य देते हुए कहा कि प्रेम भक्ति का सर्वोत्तम स्वरूप है प्रेम भगवान का प्रसाद है यह केवल भगवत कृपा से ही प्राप्त हो सकती है उन्होंने कहा कि प्रेम से ही सदभावना भाईचारा तथा शांति स्थापित होती है। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं ग्राम वासियों ने वृंदावन से पधारे ओम प्रकाश शर्मा के कुशल निर्देशन में आयोजित कृष्ण लीला मंचन की सराहना कर साक्षात भगवान प्रकट हो गए की बात ग्राम केल्हौरी कार्यक्रम में पधारे भक्तों ने की साथ ही ऐसे भक्ति मय कार्यक्रम आयोजित होते रहने की बात कही गई।

धार्मिक संगठनों ने शुरू की हनुमान जन्मोत्सव की तैयारी

मंगलवार को ठाकुर बाबा मंदिर से निकली जाएगी शोभा यात्रा

कोतमा। नगर के श्री ठाकुर बाबा धाम मंदिर में 23 अप्रैल मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई हैं। जन्मोत्सव को लेकर सुबह से रामायण मंडली द्वारा अखंड मानस, सुंदर कांड का पाठ किया जाएगा। शाम को विशाल शोभा यात्रा नगर भ्रमण के लिए निकाली जाएगी जो कि नगर के बस्ती होते हुए हनुमान मंदिर तिराहा, पुराना स्टेट बैंक, सब्जी मंडी, स्टेशन चौक, गांधी चौक, आजाद चौक सहित अन्य मार्गों

से गुजरते हुए वापस ठाकुर बाबा धाम मंदिर पहुंचेगी। मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर हनुमान जन्मोत्सव सेवा समिति हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जोर-शोर से तैयारी कर रही हैं। भगवान हनुमान जी के जन्मोत्सव पर नगर के विभिन्न मंदिरों में पूजा पाठ भंडारा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य रूप से धर्मशाला मंदिर, विकास नगर, तहसील प्रांगण मंदिर, दक्षिण मुखी मंदिर, थाना परिसर हनुमान मंदिर, लहसुई कैंप मंदिर सहित अन्य हनुमान मंदिरों पर जन्मोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

महावीर जयंती पर धूमधाम से निकाली शोभायात्रा

कोतमा। नगर में भगवान महावीर जयंती पर रविवार को जैन समाज की ओर से धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल झांकी में भगवान महावीर की प्रतिमा को विराजमान किया गया था। शोभायात्रा बैंड बाजों के साथ निकाली गई शोभायात्रा में शामिल झांकी में विराजमान भगवान महावीर स्वामी की नगर के जैन समाज के लोगों ने जगह-जगह आरती उतार कर पूजा अर्चना की। पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा से पहले भगवान महावीर की पूजा अर्चना की गई। शोभायात्रा में जैन समाज के लोगों के द्वारा भजन कीर्तन करते हुए नगर के मुख्य मार्ग में शोभा यात्रा को भ्रमण कराया गया। जैन समाज के लोगों के द्वारा भगवान महावीर की पूजा अर्चना की और देश व प्रदेश में खुशहाली की कामना की। इस दौरान भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलने का आह्वान करते हुए कहा कि उनके सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं, जो मानव कल्याण के लिए सार्थक हैं। शोभा यात्रा का समापन नगर भ्रमण के बाद पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में किया गया। शोभा यात्रा में जैन समाज के बुजुर्ग, युवा, महिलाएं, बच्चे भारी संख्या में शामिल हुए। जैन समाज के लोगों के द्वारा जगह-जगह शोभायात्रा में शामिल लोगों का स्वागत शीतल पेय एवं शरबत पिलाकर किया गया। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शोभायात्रा में पुलिस के कर्मचारी भी मुस्तैद नजर आये।

कड़ाके की धूप से लोगों को होने लगा तेज गर्मी का एहसास

कोतमा। वर्तमान में कड़ाके की धूप पडने के कारण तेज गर्मी का एहसास लोगों को होने लगा है। तापमान में उछाल-मारनी शुरू कर दी है। वर्तमान में पारा 40 डिग्री से कम नहीं है। मौसम विभाग की माने तो हवाओं में नमी खत्म हो जाने से मौसम में परिवर्तन हो चला है।

जो तापमान को बढ़ाने का मौका दे रहा है। दिन में धूप के थपेड़े बदन पर मार कर रहे हैं। सडकें दोपहर में वीरान नजर आ रही है। शादी ब्याह करने वाले परिवार के लोग पसीना बहाते गमछा लपेट कर शीतल पेय के सहारे किसी तरह अपना काम निपटा रहे हैं। लोगों को छांव की तलाश और शीतल हवाओं की दरकार महसूस हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार हवा में नमी

घटना और मौसम शुष्क होने से तापमान को मनमानी करने का मौका मिल गया है। कोई अप्रत्याशी स्वभाव मौसम का नहीं बदला तो अब गर्मी अपना असर दिखाएंगे। वर्तमान में दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होने के कारण लोगों को गर्मी की मार देनी पड़ रही है। वर्तमान में एसी कूलर भी काम नहीं कर रहे हैं। गर्मी का हाल यह है कि सुबह 7:00 बजे से ही कड़ी धूप लगनी शुरू हो जाती है जिसके कारण लोग जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। दिन के बारह बजते बजते तापमान में बढ़ोतरी होनी शुरू हो जाती है जो लगभग 40 डिग्री तक पहुंच जा रहा है। लोग घरों से निकलने के पहले अपने चेहरे एवं शरीर को ढक कर निकल रहे हैं। लू के थपेढो से लोगों का हाल बुरा है। बीते कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है । आंधी बारिश और ओलावृष्टि के बाद गर्मी से आम जनता परेशान होने लगी है। मौसम के बदलाव से अस्पतालो में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है।

खबर संक्षेप

एसडीएम त्योंथर को मिला सीईओ जनपद का अतिरिक्त प्रभार

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की अनुमति से जनपद पंचायत त्योंथर का मुख्य कार्यपालन अधिकारी का प्रभार एसडीएम त्योंथर संजय कुमार जैन को आगामी आदेश तक सौंपे जाने का आदेश जारी किया है।

विशेष पुलिस अधिकारी नियुक्त

रीवा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए रीवा जिले के प्रत्येक मतदान केन्द्र पर सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से विभिन्न विभागों के 2363 शासकीय सेवकों को विशेष पुलिस अधिकारी नियुक्त किया है। नियुक्त किये गये विशेष पुलिस अधिकारी अपने निर्धारित गणवेश में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कार्य करेंगे।

बड़गांव में बनाया नया उपार्जन स्थल

कटनी। रबी विपणन वर्ष 2024-25 मे समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन कार्य में किसानों की सुविधा के मद्देनजर कलेक्टर अवि प्रसाद ने रीठी तहसील में नया उपार्जन स्थल श्याम श्री वेयर हाउस बड़गॉव और उपार्जन संस्था कृषि विपणन सहकारी समिति रीठी को बनाये जाने के संबंध मे शनिवार को आदेश जारी किया है। इसी के साथ अब जिले में चना, मसूर एवं सरसों के 4 उपार्जन स्थल हो गए है। कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा शनिवार को जारी आदेश के बाद अब जिले मे चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन कार्य हेतु कुल 4 संस्थांए हो गई है। ई- उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत पात्र किसानों से उपार्जन किया जायेगा। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विभाग द्वारा समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं राई सरसों के उपार्जन हेतु नीति जारी की गई है। इसके तहत अच्छी गुणवत्ता एफ.ए.क्यू चना, मसूर एवं सरसों का समर्थन मूल्य पर 31 मई तक उपार्जन किया जायेगा। इसके लिए चना 5440 रूपये प्रति क्विंटल, मसूर 6425 रूपये प्रति क्विंटल तथा राई व सरसों 5650 रूपये प्रति क्विंटल की दर से किसानों खरीदा जायेगा। गोदाम का वैध डव्ल्यू .डी .आर.ए लायसेंस वाले जो तीन गोदाम है। उनमे कटनी तहसील में उपार्जन स्थल रूचि वेयर हाउस सी.डव्ल्यू सी एवं उपार्जन संस्था प्राथमिक कृषि साख समिति चाका कैलवाराकला, विजयराघवगढ़ तहसील मे उपार्जन स्थल रिया वेयर हाउस देवराकला एवं उपार्जन संस्था प्राथमिक कृषि साख समिति अमेहटा नन्हवारा तथा ढीमरखेड़ा तहसील में उपार्जन स्थल शिवान्या वेयर हाउस एवं उपार्जन संस्था प्राथमिक कृषि साख समिति झिन्ना पिपरिया शामिल है।

कुंए में डूबने से थम गई बालिका की सांसें

कटनी। बहोरीबंद थाना अंतर्गत ग्राम सुपेली में कुंए में डूबने से एक बालिका की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रैपुरा गांव निवासी खेमराज की 5 वर्षीय पुत्री सुपेली गांव अपने ननिहाल आई थी। गत दिवस व खेत में बने कुंए के पास पानी लेने गई और पैर फिसल गया जिससे वह डूब गई।

पुस्तक मेला के आखिरी दिन रही भीड़ एक ही स्थान में मिली स्कूली सामग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

निजी स्कूलों की मनमानी से अभिभावकों को राहत दिलाने कलेक्टर अवि प्रसाद की पहल पर सुभाष चौक के समीप साधुराम स्कूल परिसर में आयोजित पुस्तक एवं मतदाता जागरूकता मेले के अंतिम दिन शनिवार को बच्चों और उनके अभिभावकों ने रियायती दरों पर कॉपी, किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य शैक्षणिक सामग्रियां क्रय की। मेला मे पहुंचे पालकों, अभिभावकों ने बताया कि पुस्तक मेला एवं मतदाता जागरूकता मेला आयोजित कराकर कलेक्टर श्री अवि प्रसाद ने नेक और पुण्य कार्य किया है। यहां बाजार की तुलना में कम कीमत में पुस्तक, स्टेशनरी, कॉपी, यूनिफार्म आदि मिल रही है। जो वाजिब मूल्य है। पी.डब्ल्यू डी कॉलोनी निवासी मथुरा नामदेव कहते है कि कलेक्टर की इस सार्थक पहल से मुझे बच्चों की पुस्तकें खरीदने मे आसानी हुई।

जिले के चोरहटा थाना अंतर्गत रेलवे ट्रैक के पास मैदान में स्थानीय लोगों को एक युवक का शव दिखाई दिया

युवक की हत्या कर काट दिया प्राईवेट पार्ट रेलवे ट्रैक के समीप मैदान में मिली लाश

• आरोपियों द्वारा मृतक का गुप्तांग भी काटा गया

रीवा । जिले के चोरहटा थाना अंतर्गत रेलवे ट्रैक के पास मैदान में स्थानीय लोगों को एक युवक का शव दिखाई दिया । जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वही स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक का गला रेत मौत के घाट उतारा गया है, युवक निर्वस्त्र हालत में मिला है, जिसका प्राइवेट पार्ट भी कटा हुआ था पुलिस द्वारा एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया था

युवक की पहचान हीरालाल कोल निवासी नई बस्ती खैर थाना चोरहटा हुई है घटना स्थल पर ही एक झोपड़ी बनी हुई है ,जहां पुलिस को कुछ वस्त्र पड़े मिले है। साथ ही जिस स्थान पर लाश मिली है वहीं खून मिला है जिसके चलते माना जा रहा है कि युवक को घटनास्थल पर ही मौत के घाट उतारा गया है। वहीं स्थानीय लोगों की माने तो मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ भी हो सकता है एडिशनल एसपी अनिल सोनकर सहित थाना प्रभारी चोरहटा सहित भारी पुलिस बल की मौजूदगी में शव को पंचनामा के साथ पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेज गया। घटना का कारण अभी तक अज्ञात मौके पर धारदार चाकू भी बरामद। यह भी बताया गया है कि मृतक का गुप्तांग काटा हुआ है। वही पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है

इनका कहना है

चोरहटा थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के पास एक अज्ञात युवक का शव मिला था मृतक का शव पूरी तरह निर्वस्त्र मिला है। आरोपियों द्वारा मृतक का गुप्तांग भी काटा गया है। दो-तीन घंटे बाद मृतक पहचान हो पाई। संदेह में कुछ लोगों को पुलिस थाने ले जाकर पूछताछ कर रही है। जल्द पूरे हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा ।

अनिल सोनकर एडिशनल एसपी रीवा

संविधान बदलने वाली भाजपा को वोट की चोट से सबक सिखायें: ए.आई.एफ.बी.

रीवा

21 अप्रेल। ऑल इण्डिया फारवर्ड ब्लाक मध्य प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता नागेन्द्र सिंह कल्चुरी, अनुसूचित जाति मंच के प्रदेशाध्यक्ष मोतीलाल साकेत, अनुसूचित जनजाति मंच के जिलाध्यक्ष राजकुमार कोल ने सेमरिया विधानसभा के ग्राम किटवरिया, अमवा, हिनौता, शाहपुर, चन्द्रपुर, पटना, रहट, चौरा, बहुरीबांध आदि ग्रामों में मतदाताओं के बीच सघन जनसंपर्क कर इंडिया गठबन्धन की समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती नीलम मिश्रा को जिताने की पुरजोर अपील की। इस अवसर अनुसूचित जाति मंच के प्रदेशाध्यक्ष मोतीलाल साकेत ने दलित मतदाताओं से कहा कि भाजपा और आर.एस.एस. बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के संविधान को स्वीकार नहीं करते, भाजपा के नेता कई रैलियों में कह चुके है कि 400 पार कर संविधान को बदलना है यदि संविधान बचाना है तो नीलम वहन को जिताकर दिल्ली भेजना होगा, वहीं अजजा मंच के जिलाध्यक्ष राजकुमार कोल ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी जनार्दन मिश्रा जी इसी सेमरिया क्षेत्र के मूल निवासी है लेकिन आज तक आदिवासियों के सुख दुख में कभी खड़े नहीं हुए बल्कि उनके नेता कार्यकर्ता सदैव आदिवासी समाज को नीचा दिखाने का प्रयास किये है। ए.आई.एफ.बी.नेताओं ने कहा कि संविधान बदलने वाली भाजपा को वोट की चोट से सबक सिखाया जा सकता है।

मतदाता जागरूकता के लिए संगीत संध्या का हुआ आयोजन

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिले भर में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गत शाम शहर के विवेकानंद पार्क में संगीत संध्या का आयोजन किया गया। संगीत संध्या में जबलपुर के कलाकार दिव्यांश मेहता एवं उनके ग्रुप द्वारा अपने गीतों के माध्यम से लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर लोकसभा निर्वाचन के बारे क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी तथा विजेताओं को विशेष ईनामी कूपन प्रदान किये गये। इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पुलिस प्रेक्षक श्री योगेश कुमार गुप्ता तथा व्यय प्रेक्षक श्री अखिलेन्द्र प्रताप यादव, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, सीईओ जिला पंचायत डॉ. सौरभ सोनवणे, सहायक कलेक्टर सोनाली देव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले, सहायक आयुक्त नगर निगम रूपाली द्विवेदी, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास आशीष द्विवेदी सहित अधिकारी, कर्मचारी तथा शहर के गणमान्य जन तथा बड़ी संख्या में युवा मतदाता उपस्थित रहे।

मतदान दिवस पर सवैतनिक अवकाश घोषित

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में रीवा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिये मतदान 26 अप्रैल 2024 शुक्रवार को संपन्न होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी के प्रावधानों एवं मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, की अधिसूचना के अनुक्रम में रीवा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत आने वाले समस्त विधानसभा क्षेत्रों में स्थापित व्यवसायिक, ट्रेड, औद्योगिक संस्थानों, दुकानों, वाणिज्यिक स्थापनाओं अथवा अन्य स्थापना में कार्यरत समस्त शासकीय एवं अशासकीय कर्मचारियों के लिये लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में सुविधाजनक एवं निर्वाध रूप से मताधिकार का उपयोग करने के लिये 26 अप्रैल को सवैतनिक सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

सेक्टर आफीसर पूरी गंभीरता एवं निष्पक्षता से सम्पन्न कराएं निर्वाचन कार्य

जिला निर्वाचन अधिकारी सेक्टर आफीसर को दिया गया प्रशिक्षण

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए रीवा संसदीय क्षेत्र में मतदान 26 अप्रैल को होगा। जिले में शांतिपूर्ण व निष्पक्ष निर्वाचन के उद्देश्य से सेक्टर आफीसरों की नियुक्ति की गयी है। कलेक्ट्रेट के मोहनसभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि सेक्टर आफीसर पूरी गंभीरता एवं निष्पक्षता से निर्वाचन कार्य संपन्न करायें। सेक्टर आफीसर निर्वाचन की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। अपने सेक्टर में उसे पूरे वैधानिक अधिकार प्रदान किए गये हैं। सेक्टर के सभी मतदान केन्द्रों में सुचारू मतदान की व्यवस्था में समन्वय की पूरी जिम्मेदारी सेक्टर आफीसर की होगी। सभी सेक्टर आफीसर पूरी निष्पक्षता से निर्वाचन कार्य सम्पन्न कराएं।

सेक्टर आफीसर मतदान को सुचारू सम्पन्न कराने के साथ मतदान केन्द्र की व्यवस्था के लिए भी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। मतदाता की पहचान सुनिश्चित होने पर ही उसे मत देने का अधिकार मिलेगा। निर्वाचन आयोग के पहचान पत्र सहित निर्धारित 12 में से कोई एक अभिलेख होने पर ही मतदान का अवसर मिलेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सेक्टर आफीसर सभी मतदान केन्द्र में किसी कारणवश ईव्हीएम में हुए माकपोल का सीआरसीटी अनिवार्यतः करवायें तथा यदि किसी मतदान केन्द्र में ईव्हीएम को बदला जाय तो उसकी जानकारी संबंधित एआरओ को दें। उन्होंने कहा कि मतदान समाप्ति के उपरांत सेक्टर आफीसर के पास जो ईव्हीएम हो उसे वह सीधे ईव्हीएम वेयरहाउस में जाकर जमा करायें। उन्होंने कहा कि सेक्टर आफीसर अपने सेक्टर के सभी मतदान केन्द्रों का आगामी दो दिनों में भ्रमण कर वहां की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त करायें। मतदान केन्द्र एवं उसके परिसर में विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए पानी, छाया सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायें। उन्होंने अपेक्षा की कि पूरी लगन व निष्पक्षता से वाधा रहित निर्वाचन संपन्न होगा। सेक्टर अधिकारियों को प्रशिक्षण देते हुए मास्टर ट्रेनर ने कहा कि सेक्टर आफीसर मतदान की प्रक्रिया, इलेक्ट्रानिक मशीन के संचालन, चुनाव प्रबंधन, निर्वाचन की आदर्श आचरण संहिता तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों का बारीकी से गहन अध्ययन करें। चुनाव से जुड़ी हर तरह की जानकारी होने पर ही सेक्टर आफीसर अपना कार्य कर सकेंगे। मतदान सामग्री के वितरण, मतदान की तैयारी, मतदान की प्रक्रिया तथा मशीनों की सीलिंग पर विशेष ध्यान दें। मतदान माकपोल के बाद ही शुरू होगा। इसका प्रमाण पत्र मतदान शुरू होने के तत्काल बाद सेक्टर आफीसर को निर्वाचन कार्यालय को प्रस्तुत करना है। ग्राम स्तरीय कर्मचारियों से लेकर एसडीएम, तहसीलदार तथा निर्वाचन से जुडी अधिकारियों के मोबाईल नम्बर उपलब्ध दिए गए हैं। अपने सेक्टर के अधिकारियों से नियमित सम्पर्क में रहें।

मास्टर ट्रेनर ने सेक्टर अधिकारियों को मतदान दिवस के कार्य, कानून और व्यवस्था बनाए रखने, मतपत्र लेखा तैयार करने, पीठासीन की डायरी तथा 16 बिन्दुओं क प्रपत्र को भरने की जानकारी दी। प्रशिक्षण में मतदाता सूची, अमिट निशान लगाने, चैलेन्ज वोट, प्राक्सी वोट का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर वोटिंग मशीन का हैण्डऑन प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने सेक्टर आफीसर के लिए मतदान सामग्री वितरण स्थल में की गयी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, सीईओ जिला पंचायत डॉ. सौरभ सोनवणे, नोडल अधिकारी प्रशिक्षण डॉ. अमरजीत सिंह, एमपी पाठक, आशीष दुबे, सहित सभी सेक्टर आफीसर उपस्थित रहे।

मालवाहक वाहनों में श्रमिकों एवं मजदूरों को ले जाने के मामले में मनमानी

जिम्मेदारों की अनदेखी एवं चालकों की मनमानी से जोखिम का सफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

नियमों को दरकिनार कर मालवाहक वाहनों में ओवरलोड सवारियां ढोई जा रही हैं। परिवहन व्यवस्था के नाम पर मजदूरों और गरीबों के जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र में लोडिंग वाहनों के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान में मजदूरी कराने मजदूरों को भेड़ बकरियों की तरह ढोया जा रहा है। कई बार ओवरलोडिंग के चलते हादसे भी हो चुके हैं जिसमें मजदूरों की जाने भी जा चुकी है बावजूद इसके जिम्मेदार अमला इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है जिससे मनमानी चल रही है।

गौरतलब है कि लोडर वाहन में मजदूरों को भरकर ले जाने के नजारे आसानी से देखे जा सकते हैं। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में लोडर वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर हादसों को न्यौता दिया जा रहा है। कई बार तो ओवरलोडेड वाहन थाने के सामने से गुजर जाते हैं। इसके बाद भी पुलिस के आला अधिकारी इस और कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। इन ओवर लोड वाहनों पर न तो परिवहन विभाग के ओर से कोई कार्रवाई की जा रही है और न ही पुलिस प्रशासन इसकी ओर कोई ध्यान दे रहा है।

वैवाहिक सीजन में भी गरीब तबके के लोग ट्रेक्टरों व पिकअप वाहनों के माध्यम से सफर करते हैं। कुछ क्षेत्रों में बसों का संचालन नहीं होने और बसों के अधिक खर्च से बचने के लिए से लोग लोडर वाहनों में सफर करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। दूसरी ओर श्रमिक वर्ग के लोग इस तरह का जोखिम भरा सफर करने को मजबूर हैं। ठेकेदारों द्वारा मजदूरी कराने के लिए मजदूरों को भेड़ बकरियों की तरह लोडिंग वाहनों में ले जाते हैं। कई बार दुर्घटना हो जाने के बाद पुलिस लीपापोती में जुट जाती है , वहीं आला अफसर जांच का आश्वासन देकर जिम्मेदारियों से इतिश्री कर कर लेते हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूर वर्ग अक्सर मालवाहकों में ठूंस ठूंसकर सफर तय करते देखे जा सकते हैं।

गरीब वर्ग के लोगों को पैसा और पर्याप्त यातायात सुविधा न होने के चलते उन्हें मालवाहक वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीण अंचलों में नजारे को देखकर लोगों के होश उड़ जाते हैं जब ठूंस-ठूंस कर सवारियों को भरा जाता है। मोटर व्हीकल एक्ट में साफ तौर पर मालवाहक वाहनों में सवारियां ढोने पर पाबंदी है। हादसे होने की स्थिति में अपनी जान गंवाने वाले तथा घायल होने वाले लोगों को मुआवजे का भी प्रावधान नहीं है। वाहनों की बीमा पॉलिसी में भी सवारियां ढोने पर किसी प्रकार का क्लेम न देने का उल्लेख होता है।

ओवरलोडिंग से हो चुके हैं हादसे

आटो, ट्रेक्टर व पिकअप वाहनों में ओवरलोड सवारियां भरने पर पूर्व में कई हादसे भी हो चुके हैं। हादसों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सवारी और लोडिंग वाहनों में ओवरलोडिंग रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। इससे बैखौफ होकर वाहन संचालक वाहनों में ओवरलोडिंग करते देखे जा सकते हैं। यह वाहन थानों के सामने से भी गुजरते हैं। इसके बाद भी इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

जैविक कृषि प्रणाली का दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शासकीय महाविद्यालय विजयराघवगढ़ में विद्यार्थियों को व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत आत्मनिर्भर स्वावलंबी एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्राचार्या डॉ सुषमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह एवं डॉ सुमन पुरवार के सहयोग से जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे द्वारा जैविक खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के क्रम में एकीकृत जैविक कृषि प्रणाली के अंतर्गत कृषि के साथ पशुपालन फसल उत्पादन फल उत्पादन सब्जी उत्पादन, औषधीय खेती केंचुआ खाद निर्माण, मशरूम उत्पादन ,मछली पालन ,मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन आदि से घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति एवं अतिरिक्त आय प्राप्त करने का तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। कृषि में फसल उत्पादन अधिकतर मौसम आधारित होने के कारण विपरीत मौसम परिस्थितियों में आशान्वित उपज प्राप्त नहीं हो पाती इससे कृषक की आय पर प्रभाव पड़ता है। जो आर्थिक व सामाजिक दृष्टिकोण से भी कृषक को प्रभावित करता है। इस हेतु यह आवश्यक हो गया है की कृषि में फसल के साथ-साथ अन्य घटकों को भी समेकित किया जाए जिससे किसान को सतत आए मिलती रहे साथ ही विभिन्न घटकों के अवशेषों को भी संसाधनों के रूप में पुनर्चक्रण किया जाए जो पर्यावरण की दृष्टि से भी लाभकारी हो का तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

अधिकारियों-कर्मचारियों का प्रशिक्षण आज

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में रीवा संसदीय क्षेत्र के लिए मतदान 26 अप्रैल को कराया जाएगा। मतदान सामग्री का वितरण शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा से 25 अप्रैल को किया जाएगा। मतदान सामग्री वितरण एवं वापसी के लिए विधानसभावार अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। इन अधिकारियों-कर्मचारियों का प्रशिक्षण 22 अप्रैल को इंजीनियरिंग कालेज में होगा। प्रशिक्षण प्रभारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ सौरभ सोनवणे ने बताया कि काउंटर ए में विधानसभा क्षेत्र सिरमौर, सेमरिया, देवतालाब एवं मनगवां के लिए नियुक्त अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रातः 11 बजे से 12 बजे तक तथा त्योंथर, मऊगंज, रीवा और गुढ़ के अधिकारियों-कर्मचारियों को दोपहर 12 बजे से अपरान्ह एक बजे तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। जबकि काउंटर बी एवं सी में सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त अधिकारियों-कर्मचारियों को अपरान्ह एक बजे से दो बजे तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा एवं निगरानी के आदेश

कटनी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद द्वारा लोकसभा निर्वाचन के अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र शहडोल की बड़वारा विधानसभा के मतदान पश्चात कृषि उपज मंडी प्रांगण कटनी के स्ट्रांग रूम में जमा कराई गई ईव्हीएम एवं व्हीव्ही पीएटी मशीनों की 03 जून तक 24 घंटे सुरक्षा एवं निगरानी हेतु कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की साप्ताहिक दो- दो घंटे के अंतराल में ड्यूटी लगाई गई है। कृषि उपज मंडी समिति कटनी स्थित समस्त स्ट्रांग रूम की कानून व्यवस्था के प्रभारी अनुविभागीय दण्डाधिकारी कटनी एवं नगर पुलिस अधीक्षक होंगे। कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा जारी आदेशानुसार प्रथम सप्ताह 20 अप्रैल से 26 अप्रैल तक नायब तहसीलदार बड़वारा सुश्री अनुराधा सिंह एवं इसरार खान की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार द्वितीय सप्ताह में 27 अप्रैल से 3 मई तक नायब तहसीलदार सिलौंडी दिनेश कुमार असाटी एवं नायब तहसीलदार उमरियापान अजय मिश्रा को नियुक्त किया गया है। तृतीय सप्ताह में 4 मई से 10 मई तक नायब तहसीलदार बड़वारा सुश्री अनुराधा सिंह एवं इसरार खान को तथा चतुर्थ सप्ताह में 11 मई से 17 मई तक स्ट्रांग रूम की निगरानी हेतु नायब तहसीलदार सिलौंडी दिनेश कुमार असाटी एवं नायब तहसीलदार उमरियापान अजय मिश्रा को नियुक्त किया गया है।

खबर संक्षेप

कांग्रेस सांसद प्रत्याशी फुंदेलाल सिंह मार्को ने स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी से की निगरानी

अनूपपुर। कांग्रेस के शहडोल संसदीय क्षेत्र के लोकसभा सांसद प्रत्याशी फुंदेलाल सिंह मार्को ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह एवं अपने कार्यकतार्ओं के साथ पहुंचकर स्ट्रांग रूम के बाहर लगी सीसीटीवी से स्ट्रांग रूम की गतिविधियों की निगरानी की एवं कुछ समय बैठकर सीसीटीवी की ओर ध्यान लगाकर देखते रहे। कांग्रेस के सांसद प्रत्याशी फुंदेलाल सिंह मार्को ने अपने कार्यकतार्ओं को 4 जून 2024 तक बराबर निगरानी करते रहने के निर्देश दिए। ज्ञातव्य हो की अनूपपुर जिले की तीनों विधानसभाओं की 699 मतदान केंद्रो की ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें पॉलिटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर में विधानसभावार स्ट्रांग रूम में व्यवस्थित रूप में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ रखी गई है एवं सीसीटीवी कैमरे से अंदर के पूरे रुझान बाहर लगे टीवी स्क्रीन पर नजर आते हैं। जहां पर कांग्रेस के सांसद प्रत्याशी फुंदेलाल सिंह मार्को एवं कांग्रेस जन पहुंचकर सीसीटीवी से स्ट्रांग रूम के अंदर की निगरानी की एवं कुछ समय बैठकर सीसीटीवी की ओर ध्यान लगाकर देखते रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पुष्पराजगढ़ विधायक एवं कांग्रेस के सांसद प्रत्याशी फुंदेलाल सिंह मार्को, जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर के अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह, बाबा खान, प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस संजय सोनी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

खोलईया में हुआ 98 प्रतिशत मतदान

अनूपपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 में शहडोंल संसदीय क्षेत्र मे 19 अप्रैल को संपन्न हुए मतदान दौरान विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 88 पुष्पराजगढ़ के मतदान केंद्र क्रमांक 152 प्राथमिक विद्यालय खोलईया में ग्रामीण जनों ने बढ़-चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया जिससे 98% मतदान ग्रामीणो एवं बीएलओ रघुवीर प्रसाद कोल के कड़ी मेहनत से हो सका। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 88 पुष्पराजगढ़ के मतदान केंद्र क्रमांक 152 में 19 अप्रैल को कुल मतदाता 426 में जिसमें 210 पुरुष एवं 216 महिला मतदाता में 206 पुरुष एवं 212 महिला मतदाता योग 418 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग मतदान के माध्यम से किया जबकि 5 ईडीसी मतदान कर्मचारियों ने किया इस तरह 98% ग्रामीण महिला एवं पुरुष मतदाताओं के साथ 1०/० पांच पुरुष कर्मचारी मतदान हुआ जिसने मतदान केंद्र में कुल 99% मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सका, गांव की चार महिला एवं चार पुरुष मतदाता गांव से बाहर होने के कारण मतदान में भाग नहीं ले सके, अनूपपुर जिले में संभवत की सर्वाधिक मतदान केंद्र रहा है मतदान केंद्र में शत प्रतिशत मतदान कराए जाने के उद्देश्य से ग्राम एवं मतदान केंद्र के बूथ लेवल ऑफिसर रघुवीर प्रसाद कोल ने ग्राम के सरपंच, पंच एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के सहयोग से व्यापक पैमाने पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाते हुए मतदान दिवस के दिन मतदाताओं ने बढ चढ़कर अपना मतदान किया।

शासन की जल सहेजने की तरह तरह की कार्य नीतियां बनी मजाक

अतिक्रमण और जीर्णोद्धार के अभाव में दम तोड़ रहे जिले के तालाब

अनूपपुर। जिला जलसंकट की समस्या से जूझ रहा है। जलसंकट से निपटने मानसून की बारिश की सम्भावनाओं को लेकर शासन जल सहेजने तरह तरह की कार्यनीतियां बना रही है। लेकिन अनूपपुर नगरीय व जिला प्रशासन आगामी मानसून के दौरान उसके जल सहेजने गम्भीर नहीं दिख रहा है। पांडव और कल्चुरी कालीन तालाबों की नगरी माने जाने वाली अनूपपुर नगरपालिका क्षेत्र की समस्त 20 बड़ी तालाबें जलसरंक्षण के अभाव में अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है।

इन तालाबों में आगामी मानसून के बारिश की पानी को संरक्षित रखने कोई उपाय नहीं किए गए हैं। नगर की सभी तालाबें आज भी गंदगी, जंगली घास तथा अतिक्रमण की चपेट में बेहाल पड़ी है। इससे पूर्व शहडोल कमिश्नर के आदेश के पालनार्थ प्रत्येक वर्ष की भांति नगरीय क्षेत्र की 20 तालाबों में एकमात्र सामतपुर मडफा तालाब में श्रमदान व गहरीकरण कर उसे जलसरंक्षित करने का प्रयास किया गया। शेष तालाबों की ओर न तो नगरपालिका और ना ही जिला प्रशासन ने जीर्णोद्धार के लिए प्रयास किए हैं। अधिकारियों की उदासीनता में नगरवासियों का कहना है कि सालों भर पानी से लबालब रहे इन तालाबों के कारण कभी भी अनूपपुर नगरीय क्षेत्र जलसंकट की समस्या से नहीं जूझा। दुल्हा(दुलहरा)तालाब, बोकरा तालाब, रजहा तालाब, उंजीर तालाब, सामतपुर मडफा तालाब, बूढी माई मढिया तालाब सहित अन्य तालाब नगर में बड़ी जलस्त्रोत मानी जाती थी। लेकिन नगरपालिका और जिला प्रशासन ने इन तालाबों को बचाने कभी प्रयास नहीं किया। कुछ लोगों ने राजनीति सरंक्षण में तालाबों की मेढ पर बिना अनुमति पक्के आवासीय मकान निर्माण कर तालाबों पर कब्जा जमा लिया। कुछ तालाबों पर लाखों खर्च तो किए गए लेकिन कभी उन तालाबों का सौन्दर्यीकरण और जलसंरक्षण के प्रति नीतियां नहीं बनाई गई। हालात यह है कि सालों भर पानी से लबालब रहने वाला तालाब अब समतल मैदान नजर आ रहा है।

जलसंकट से जूझ रहा जिला

विदित हो कि सामतपुर मडफा तालाब पर नगरपालिका ने उसके सौन्दर्यीकरण व गहरीकरण पर करोड़ों रूपए खर्च किया है। यहां तक सोननदी की जलधारा से तालाब को जलापूर्ति कराने पाईपलाईन भी बिछाकर जलभराव करने की व्यवस्था भी बनाई है। वर्ष 2020 में प्रशासन पांडवकालीन मडफा तालाब का गहरीकरण कर उसे इस वर्ष सूखने से बचा लिया। जानकारों का मानना है कि नगर की सभी तालाबों का तल मिट्टी भराव के कारण उपर आ गया है। इसके अलावा बारिश का पानी तालाब तक बनी पहुंच मार्ग भी अतिक्रमण की चपेट में बंद हो गई है। जबकि जलसंरक्षण में कोई विशेष प्रयास नहीं किए गए।

दशकों से नहीं ली सुध

नगरपालिका की समस्त 20 तालाबों में जलभराव व उसके संरक्षण में पिछले एक दशक से नगरपालिका और जिला प्रशासन द्वारा कोई पहल नहीं की गई है। यहां तक पदाधिकारियों ने नगरीय क्षेत्र में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को भी लागू कराने पहल नहीं की। जबकि नगरीय क्षेत्र में रोजाना 8-10 नए रिहायसी मकान खड़े हो रहे हैं। लेकिन कभी अनूपपुर नगर की प्यास बुझाने तथा लोगों की जरूरतों को पूरा करने वाली प्राचीन बड़ी तालाबें प्रशासन की अनदेखी में सूखकर समतल मैदान के रूप में नजर आ रही है।

तालाबों का कभी नहीं हुआ सर्वेक्षण और सीमांकन

बताया जाता है कि नगरीय क्षेत्र की तालाबों को लेकर कभी नगरीय प्रशासन द्वारा सर्वेक्षण और उसके सीमांकन के लिए प्रयास नहीं किए गए हैं। आलम यह है कि दशकों से बेसुध प्रशासन को देखते हुए अब तालाबों की मेढ पर पक्के निर्माण खड़े हो गए। कुछ ने मेड को पाटकर घरों की गंदगी को तालाबों में उतार दिया है। जबकि कुछ जलस्त्रोत के अभाव में सूख गई है।

नगर के होटलों में खुलेआम हो रहे घरेलू गैस सिलेन्डर के उपयोग

कोतमा। नगर के होटलो व ठेलो में खुलेआम घरेलू सिलेन्डरो का उपयोग अवैध रूप से किया जा रहा है वहीं जिला प्रशासन भी जानकर अंजान बना हुआ है। देखा जा रहा है कि ये होटलों व ठेलो के मालिकों द्वारा बडे ही लापरवाही ढंग से गैस सिलेन्डरो को रखकर बाजार क्षेत्रों में उपयोग किया जा रहा है जिससे क्षेत्र में कभी भी बड़ी दुर्घटना घटने की संभावना बनी रहती है। नगर के भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में इस प्रकार से घरेलू गैस सिलेन्डरो का उपयोग किया जाना जो कानूनी रूप से अपराध की श्रेणी में आता है मगर कोतमा नगर के होटल व ठेलों के संचालको द्वारा खुलेआम कानुन की धज्जियां उड़ाते हुये बड़े ही लापरवाही ढंग से घरेलू गैस सिलेन्डरो का उपयोग कर किसी बड़े घटना का निमंत्रण दे रहे है। जिला प्रशासन को चाहिये कोतमा नगर में संचालित समस्त होटलो व ठेलो मे उपयोग किये जा रहे गैस सिलेन्डरो की जांच कर घरेलू गैस सिलेन्डरो का उपयोग किये जाने वालो पर वैधानिक कार्यवाही कर घरेलू गैस सिलेन्डरो के उपयोग पर रोक व गैस सिलेन्डरो की क्षेत्र में हो रही कालाबाजारी पर भी अंकुश लगा सकती है।

परिजनों ने लगाया मारपीट कर हत्या करने का आरोप, पुलिस कर रही जांच

मारपीट व हमले में अधेड की मौत

अनूपपुर। 20 अप्रैल जिले के चचाई थाना एवं देवहरा पुलिस चौकी अंतर्गत धिरौल गांव में विगत शाम आपस में बात-चीत, मारपीट दौरान पेट में आयी रगडदार चोट एवं अन्य कारणो से 45 वर्षीय अधेड़ की जिला अस्पताल अनूपपुर लाने के पूर्व मौत हो गई जिस पर ड्यूटी डॉक्टर की सूचना पर अस्पताल पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा कर डॉक्टर टीम से मृतक शव का पीएम करा कर गंभीरता से जांच प्रारंभ की है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार थाना चचाई एवं पुलिस चौकी देवहरा अंतर्गत धिरौल गांव के निवासी

45 वर्षीय रामदास कोल पिता मुकुन्दी कोल जिसके साथ एक दिन पूर्व उसी के ही भतीजा लालदास पिता लल्ला कोल के साथ पुराने समय की किसी बात को लेकर बाद-विवाद हुआ रहा जिस दौरान गाली-गलौज एवं मारपीट हुई रही जिस पर परिजनों द्वारा गांव के ही डॉक्टर से उपचार कराया गया इसके ठीक ना होने पर रविवार की सुबह परिजनों द्वारा एंबुलेंस जिला चिकित्सालय अनूपपुर बेहोश हालात मे लाया गया जहां परीक्षण दौरान डॉक्टर ने मृत घोषित करते हुए घटना की जानकारी जिला अस्पताल पुलिस चौकी को दिए जाने पर पुलिस द्वारा डॉक्टर टीम से मृतक के शव का शव परीक्षण कराने बाद अंतिम संस्कार हेतु शव को परिजनों को सौंप कर प्रारंभिक जांच बाद घटना की डायरी थाना चचाई को भेजी है। मृतक के पुत्र पप्पू कोल ने बताया कि उसके पिता के साथ गांव के ही लालदास कोल के द्वारा मारपीट की गई जिससे पेट में चोट आई है जिसका गांव में उपचार बाद ठीक ना होने से शनिवार की सुबह अनूपपुर अस्पताल ले कर आये रहे हैं जहां पहुंचने पर डॉक्टर ने जांच करके अस्पताल लाने के पहले से पिता रामदास मौत हो जाने की बात बताई है। वहीं पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक शराब पीने का आदी रहा है जिसके कारण अक्सर वह बीमार भी रहता रहा, घटना की जानकारी पर हर पहलू को देखते हुए गंभीरता से मौत की जांच की जा रही है।

होटलों, डेयरी व किराना दुकानों से डरता कानून

अनूपपुर। खुलेआम पूरी सड़क पर कब्जा करके किराना दुकानों, होटलों व डेयरी में जाकर जांच करने से खाद्य विभाग, जिला प्रशासन कतरा रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि खाद्य विभाग के कुछ नौकरशाहों की बदौलत मासिक किश्त लेकर दुकानों में मिलावट का सामान पूरी तरह से डंके की चोट पर बेचा जा रहा है जिसे खाकर लोक बीमार पड़ रहे हैं जिससे कोरोना के अतिरिक्त और भी कई प्रकार की बीमारियों का प्रवेश मानव शरीर में हो रहा है।

किराना दुकानों में नकली सामान

जिले के अधिकांश किराना दुकानों में बिना आईएओ मार्क या किसी प्राधिकृत शासकीय संस्था के प्रमाणन के ही बिकने वाले अचार, तेल, नमक, स्नैक्स, सरसों तेल व कंकड़युक्त चावल-दाल ने आमजन को किसी तरह पेट भरने पर मजबूर कर रखा है। कुछ किराना दुकानदार इतने शातिर बदमाश हैं कि प्रतिवर्ष तराजू-बाट में मोहर लगवाकर और नगरपालिका के कुछ टैक्स चुकाकर खुलेआम नकली सामान बेचने व ग्राहकों का सपरिवार स्वास्थ्य बिगाड़ने का अधिकार प्राप्त कर लेते हैं किन्तु प्रशासन के द्वारा ऐसे दुकानों पर छापा नहीं मारा जाता, क्योंकि साहबों के एक फोन मात्र से घर पहुँच सेवा देने वाले इन मिलावटखोर बदमाशों का पूरा कुकर्म एक प्रशासनिक लाइसेंस पा जाता है।

डेयरी, होटल सवालों के घेरे में

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की कुछ डेयरी में थोक दूधवालों से दूध खरीदकर उसमें पकाया हुआ दूध पाउडर व मलाई की भांति झाग देने वाला केमिकल मिलाकर अन्धाधुन्ध लूट की जा रही है जिससे इन डेयरी संचालकों के खासम खास ग्राहक सपरिवार काल के गाल की ओर जाते जा रहे हैं लेकिन यहाँ भी प्रशासनिक महकमा न तो दूध, दही, खोवे और घी की गुणवत्ता पर न तो कभी सवाल करता है न इनकी सैम्पलिंग की जाती है। थोड़ा बहुत ले-देकर पूरी छूट दी जा रही है, वहीं होटलों में समोसे, भजिया, जलेबी आदि एक बार निकालकर काउन्टर में प्रदर्शन के लिए तो रख लिए जाते हैं लेकिन उन पर कोई कव्हर आदि लगाना इन दुकानदारों को रास नहीं आता जिससे उन सामग्रियों पर दिनभर विषैले कीटाणु, बैक्टीरिया व डस्ट-धूल की ऐसी परत जमती जाती है कि खाने वाले का ग्राहक को कई प्रकार की बीमारियों का शिकार होना ही होना है। लिहाजा किराना दुकानों, होटलों और डेयरी में छापेमारी किया जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रशासन को उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त दुकानों में छापेमार कार्यवाही करके मिलावटखोर दुकानदारों और होटल-डेयरी संचालकों को हवालात भेजने की व्यवस्था करनी चाहिए, यह देखे बिना कि कौन किस नेता का भाई है, कौन भतीजा है और कौन खानदानी मुलाजिम है।

निरीक्षण से दूर भागते जिम्मेदार

सवाल यह कि खाद्य अमला ऐसे प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण करने से कतराता क्यों हैं? खाद्य पदार्थों की जांच के लिए सरकारी विज्ञप्ति जारी कर देने से क्या जवाबदारी पूरी हो जाती है शायद ही इसका जवाब खाद्य अमला दे। कई वर्षो से खाद्य अमले द्वारा में खाद्य पदार्थो की जांच व सेम्पलिंग लेने किसी ने नहीं देखा। कुछ सैंपलिंग लिये भी तो सिर्फ खानापूर्ति के लिए, ऐसे में दूषित खाद्य पदार्थों की बेरोकटोक बिक्री पर लगाम लग सकेगी कह पाना संभव नहीं है। दूषित, मिलावटी खाद्य पदार्थों की सघन जांच किया जनस्वास्थ्य को सुरक्षित करने हेतु नितांत जरूरी है। वहीं ऐसे प्रतिष्ठानों के संचालको के प्रति सख्त रवैया अपनाया जाना जनहित में आवश्यक है।

जिला जेल अनूपपुर में स्वास्थ परीक्षण शिविर का किया गया आयोजन

अनूपपुर। उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर के एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रविन्दर सिंह के निर्देश अनुसार एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती मोनिका आध्या के मार्गदर्शन में 20 अप्रैल को जिला जेल अनूपपुर में बंदियों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष रूप से जिला एवं अपर न्यायाधीश नरेंद्र पटेल, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री पारुल जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह, जेल अधीक्षक इन्द्रदेव तिवारी, पैनल अधिवक्ता श्रीमती रेणु सोनी एवं चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसिल संत दास नापित, डिप्टी लीगल एंड डिफेंस काउंसिल शाबिर अली एवं आर.के सोनी, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्रीमती शोभा पटेल, आयुष सोनी एवं विकास शुक्ला उपस्थित रहे। इस दौरान जिला न्यायाधीश श्री पटेल ने

जिला जेल अनूपपुर का निरीक्षण भी किया उन्होंने उपस्थित बंदियों को चिकित्सकों द्वारा प्रदान किये जा रहे निदेर्शों का पालन करने की सलाह दी एवं बीमारी को अपने मन से मिटाने की बात कही उन्होंने बंदियों से कहा कि वह अपनी-अपनी दवा समय से लें एवं समय से भोजन ग्रहण करें साथ ही न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री पारुल जैन ने महिला वार्ड का निरीक्षण भी किया जहां उन्होंने महिला बंदियों को निशुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में जानकारियां उपलब्ध कराई। विशेष स्वास्थ्य शिविर के दौरान लगभग 306 बंदियों के साथ-साथ दो बच्चों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय अनूपपुर के डॉक्टर के. बी. प्रजापति, डां0 गुरु प्रसाद, डां0 प्रदीप कोरी, डॉ0 साकेत कौशिक एवं डॉक्टर अनीता सिंह अपने चिकित्सा दल के साथ उपस्थित रहे इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों का एवं पैरालेगल वालंटियर भाईलाल पटेल उपस्थित रहे।

मालवाहक वाहनों से ढोई जा रही सवारी

कोतमा। मालवाहक वाहनों में सवारी ढोई जा रही है। जिसके कारण दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। खासतौर पर ग्रामीण अंचलों में यह समस्या सबसे अधिक देखने को मिलती है। बावजूद इसके मालवाहक वाहनों पर किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं हो पा रही है। पूर्व में करीब दर्जन भर से अधिक घटनाएं हो चुकी है, जिसमें लोगों की मौत भी हो चुकी है। नगर सहित ग्रामीण एवं कोयलांचल क्षेत्र में मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने का कार्य रोजाना किया जा रहा है।

जिम्मेदार अमला जान कर भी बना अनजान

जानकारी के अनुसार ग्रामीण अंचलों में आवागमन के साधन कम होने के कारण मालवाहक वाहनों से सवारियां ढोने का कार्य किया जाता है। क्षेत्र में ठेकेदारों द्वारा मजदूरों को काम पर लाने ले जाने के लिए मालवाहक वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। जिसमें क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर ले जाया जाता है। ऐसे में कभी भी घटना हो सकती है। मोटर व्हीकल एक्ट में साफ तौर पर मालवाहक वाहनों में सवारियां ढोने पर पाबंदी है। हादसे होने की स्थिति में अपनी जान गंवाने वाले तथा घायल होने वाले लोगों को मुआवजे का भी प्रावधान नहीं है। बावजूद इसके ऐसे मालवाहक वाहनों पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है। पूर्व में नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र में माल वाहक वाहनों में बारात ढोई जा रही थी जिसके कारण कई दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। बावजूद इसके प्रशासन इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। जिसके कारण इनके हौसले बुलंद हैं।

कृषि कार्यों के नाम पर क्रय किए गए वाहनों का होता है उपयोग

कृषि कार्यों के नाम से खरीदे गए वाहनों का सवारी गाडिय़ों की तरह इस्तेमाल हो रहा है। ट्रैक्टर, मेटाडोर, पिकअप जैसे अन्य वाहनों में सवारी ढोई जा रही है। शादी, पिकनिक व अन्य कामकाज में वाहन का उपयोग किया जाता है। ज्ञात हो परिवहन विभाग के कर्मचारी ऐसे वाहनों को रोककर उनकी चेकिंग नहीं करते है।

रुपए के लालच में ले रहे जोखिम

माल वाहक मालिक और चालक रुपए के लालच में ग्रामीणों की जान को जोखिम में डाल रहे हैं। ऐसे वाहनों पर कार्रवाई नहीं होने से उनके हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं। लगातार सड़क हादसे होने के बाद भी मालवाहक वाहनों में सवारियां ढोई जा रही है।

प्रतिदिन हो रहा वाहन चेकिंग

पुलिस एवं यातायात विभाग के द्वारा आये दिन वाहनों की सघन जांच की जा रही है लेकिन क्या ऐसे वाहन पुलिस एवं यातायात विभाग को नहीं नजर आ रहे हैं जो प्रतिदिन पिकअप वाहन एवं मालवाहक वाहनो में खुलेआम सवारियों को बैठाकर राष्ट्रीय राजमार्गों एवं नगर के मुख्य मार्ग में आना-जाना कर रहे हैं।